RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 107
दि. 15.08.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी आज 12वीं बार स्वतंत्रता दिवस पर देश को करेंगे संबोधित, तोड़ेंगे इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को 12 वीं बार स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी लाल किले पर झंडा फहराने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड तोड़ेंगे।

इंदिरा ने 11 बार लगातार लाल किले पर तिरंगा फहराया था

लाल किले से लगातार राष्ट्र को संबोधित करने के मामले में जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर होंगे। इंदिरा ने 11 बार लगातार लाल किले पर तिरंगा फहराया था। इंदिरा गांधी जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक लगातार प्रधानमंत्री रहीं।

इंदिरा ने प्रधानमंत्री के रूप में 16 बार तिरंगा फहराया

हालांकि इंदिरा जनवरी 1980 से अक्टूबर 1984 तक भी प्रधानमंत्री पद पर कार्य किया। कुल मिलाकर, उन्होंने 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के रूप में 16 बार तिरंगा फहराया।

उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास के मॉडल के प्रति भारत के अडिग रुख को रेखांकित करेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा व्यापार के मुद्दे पर भारत के खिलाफ उठाए गए प्रतिकूल कदमों के कारण उत्पन्न आर्थिक और विदेशी संबंधों की अनिश्चितता के माहौल पर भी वह देश के लोगों को जानकारी दे सकते हैं। वह भारत के रुख को लेकर ट्रंप को भी संकेत दे सकते हैं।

उन्होंने 2047 तक "विकसित भारत" बनाने में मदद करने के लिए स्वदेशी ज्ञान और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर देश को "आत्मनिर्भर" बनाने पर बार-बार जोर दिया है। पीएम मोदी 15 अगस्त को अपने भाषण में नीतिगत पहलों या नई योजनाओं की घोषणा करते रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी का नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर तंज, कहा-इस उम्र में दुश्मनी नहीं, घर बुलाकर भोजन कराइए, इलाज में ब्रजेश पाठक ही काम आएंगे

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को करारा जवाब दिया। सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें न केवल राजनीतिक नसीहत दी बल्कि व्यक्तिगत अंदाज में तंज कसते हुए कहा - 'इस उम्र में दुश्मनी नहीं रखिए, हमें घर बुलाकर भोजन कराइए, और इलाज की जरूरत हो तो हमारे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक आपके लिए मौजूद हैं।'

गुरुवार को यूपी विजन 2047 पर 24 घंटे की अनवरत चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष के आरोपों का विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की अवधारणा ही विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकती है। योगी ने कहा, 'भारत तभी विकसित बनेगा जब सभी राज्य अपनी भूमिका का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। पिछले 24 घंटे से अधिक समय से जो गंभीर चर्चा सदन में हुई है, वह लोकतंत्र की सशक्तता और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को मजबूत करती है।'

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार का दावा

सीएम योगी ने शिक्षा व्यवस्था पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि 2017 से पहले यूपी के 1 लाख 56 हजार शिक्षा परिषद के स्कूल बदहाल स्थिति में थे और बंद होने की कगार पर थे। 'हमने स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए। आज न केवल शिक्षा का स्तर सुधरा है बल्कि गरीब बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं,' उन्होंने कहा।

माता प्रसाद पांडेय पर सीधा कटाक्ष

मुख्यमंत्री योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को संबोधित करते हुए कहा, 'आप बुजुर्ग हैं, अनुभवी हैं, जब अपने विवेक से बोलते हैं तो सही बात बोलते हैं, लेकिन जब दूसरों द्वारा संचालित होने लगते हैं तो कभी-कभी आपको मुर्गा भी याद आने लगता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस उम्र में राजनीति में कटुता नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बीएमसी चुनाव में मुस्लिम वोटर्स को साधने के लिए अजित पवार ने चल दी बड़ी चाल

महाराष्ट्र में चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। राज्य में बड़ी संख्या में मुस्लिम वोटर्स हैं और कई सीटों पर मुस्लिम वोटर्स के वोट निर्णायक भूमिका अदा करते हैं। इसलिए बीएमसी चुनावों में फोकस मुस्लिम वोटर्स पर रहता है। इनके वोट साधने के लिए बड़ा दांव चल दिया है। अजित पवार ने नवाब मलिक पर भरोसा जताते हुए उन्हें मुंबई चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही, मलिक की बेटी, विधायक सना शेख और पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी को भी एनसीपी की चुनाव प्रबंधन समिति का सदस्य बनाया गया है।

पाकिस्तान को मात देने वाले वीरों को मिलेगा सम्मान, ऑपरेशन सिंदूर के 9 जांबाजों सहित लिस्ट में हैं ये नाम

(जीएनएस)।

भारत सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान ऑपरेशन सिंदूर के हीरो को सम्मानित करने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सशस्त्र बलों के जांबाज अधिकारियों के लिए गैलेंट्री अवॉर्ड्स का ऐलान किया। इनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के साथ हुई मुठभेड़ों में अहम भूमिका निभाई।

इस बात की घोषणा स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर की गई, जिससे देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई। सरकार ने जानकारी दी कि भारतीय वायुसेना के 13 अधिकारियों को युध सेवा मेडल, 26 अधिकारियों को वायु सेना मेडल और चार वायुसेना अफसरों के साथ दो वरिष्ठ थलसेना अधिकारियों को सर्वोत्तम युध सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

वायु सेना मेडल पाने वालों में ग्रुप

कैप्टन अंकुर हकीम, मनव भाटिया, यासिर फारूकी (फ्लाइंग), वरुण भोज (फ्लाइंग), अनुराज सिंह मिन्हास (फ्लाइंग), दीपक चौहान (फ्लाइंग) समेत 26 नाम शामिल हैं। इनमें स्क्वाड्रन लीडर कौस्तुभ नलवाडे, मिहिर विवेक चौधरी, राकेश शर्मा और फ्लाइट लेफ्टिनेंट ए. नवीन चंदर जैसे युवा अधिकारी भी शामिल हैं।

चार वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम युध सेवा मेडल से नवाजा जाएगा। इनमें एयर स्टाफ एयर मार्शल नरनदेश्वर तिवारी, वेस्टर्न एयर कमांडर एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश भारती और पूर्व वेस्टर्न नेवल कमांडर वाइस एडमिरल एसजे सिंह का नाम शामिल है। इसके अलावा, दो वरिष्ठ थलसेना अफसर भी इस सम्मान के लिए चुने गए हैं।

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना का संयुक्त मिशन था, जिसे पूरी तरह भारतीय सीमा से संचालित किया गया। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाया गया था।

'सीमापार ठिकाने तबाह, ऑपरेशन सिंदूर से पहलगाम हमले का बदला' - राष्ट्रपति

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2025 को राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की प्रगति, लोकतंत्र की ताकत, ऑपरेशन सिंदूर और आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण पर फोकस किया।

देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति के रूप में, मुर्मू ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और विभाजन की त्रासदी को याद किया। उन्होंने भारत की आर्थिक, तकनीकी, और सामाजिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आइए, उनके संबोधन की प्रमुख बातों पर नजर डालें....

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए कहा, '78 साल पहले 15 अगस्त को भारत ने बलिदान के बल पर आजादी हासिल की। यह तारीख हमारी सामूहिक स्मृति में गहराई से अंकित है। औपनिवेशिक शासन की लंबी अवधि में देशवासियों की कई पीढ़ियों ने स्वाधीनता का सपना देखा। कल जब हम तिरंगे को सलामी देंगे, हम उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को भी श्रद्धांजलि देंगे।'

2. लोकतंत्र और संविधान सर्वोपरि

मुर्मू ने भारत को 'लोकतंत्र की जननी' करार देते हुए कहा, 'हमने आजादी के बाद एक ऐसे लोकतंत्र को अपनाया, जहां हर वयस्क को मतदान का अधिकार मिला। कई देशों में जेंडर, धर्म या अन्य आधारों पर मताधिकार सीमित था, लेकिन भारत ने सभी को समान अधिकार दिया। हमारे लिए संविधान और लोकतंत्र सर्वोपरि है।' उन्होंने संविधान के चार मूल्यों-न्याय, स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व-को लोकतंत्र का आधार बताया।

3. भारत आत्मनिर्भरता की राह पर

राष्ट्रपति ने भारत की आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा, 'भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर बड़े आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है। सुशासन और कल्याणकारी योजनाओं ने लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह सामाजिक सेवाओं पर बढ़ते खर्च और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने के प्रयासों में दिखता है।'

4. विभाजन की त्रासदी को याद किया

14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाते हुए मुर्मू ने कहा, '1947 में देश के विभाजन ने भयंकर हिंसा और लाखों लोगों के विस्थापन को जन्म दिया। हम उन सभी को श्रद्धांजलि देते हैं जो इतिहास की गलतियों का शिकार हुए। हमें इस दर्द को कभी नहीं भूलना चाहिए।'

5. बुनियादी ढांचे में प्रगति

राष्ट्रपति ने भारत के बुनियादी ढांचे की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'भारतमाला परियोजना ने राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार किया। रेलवे ने नवीनतम तकनीकों के साथ नई रेलगाड़ियां शुरू कीं। कश्मीर घाटी में रेल संपर्क का उद्घाटन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देगा।'

6. डिजिटल भारत की उड़ान

मुर्मू ने डिजिटल क्षेत्र में भारत की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, 'लगभग सभी गांवों में 4ॠ कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है, और बाकी गांवों में जल्द पहुंचेगी। डिजिटल भुगतान में भारत विश्व में अग्रणी है। भारत-कृत्रिम बुद्धिमत्ता मिशन (क्ल्र्ा-अक ट्र२२ङ्ग्ल्ल) हमारी अक क्षमताओं को मजबूत कर रहा है, जो देश की जरूरतों के अनुरूप मॉडल बना रहा है।'

7. सामाजिक कल्याण और समानता

राष्ट्रपति ने सामाजिक कल्याण पर जोर देते हुए कहा, 'आयुष्मान भारत योजना से 55 करोड़ लोगों को लाभ मिला है।

सामाजिक सेवाओं पर बढ़ता खर्च आय और क्षेत्रीय असमानताओं को कम कर रहा है। जो क्षेत्र पहले कमजोर थे, वे अब अपनी क्षमता दिखा रहे हैं।'

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश की जनता के नाम सीएम योगी के संदेश का प्रसारण 15 अगस्त को दूरदर्शन व आकाशवाणी पर

लखनऊ , स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ जी का प्रदेश की जनता के नाम संदेश 15 अगस्त, 2025 को दूरदर्शन व आकाशवाणी पर प्रसारित होगा।

दूरदर्शन उत्तर प्रदेश से मुख्यमंत्री जी का संदेश 15 अगस्त, 2025 को प्रातः 09:00 बजे प्रसारित किया जाएगा। आकाशवाणी लखनऊ पर मुख्यमंत्री जी का संदेश रात्रि 08:00 बजे प्रसारित किया जाएगा।

'स्टेटहुड का इससे कोई लेना-देना नहीं', जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों पर क्या बोले गए फारूक अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है, और बहस का केंद्र बना है राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा। गुरुवार, 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में इसी मामले पर अहम सुनवाई हुई, जिसके बाद प्रदेश के वरिष्ठतम नेताओं में से एक और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष, डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया के सामने तीखा और स्पष्ट बयान दिया।

उन्होंने साफ कहा कि घाटी में होने वाले आतंकी हमलों के लिए केवल राज्य का दर्जा जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि यह घटनाएं उस समय भी होती थीं जब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य था।

'पाकिस्तान ने एक भी गलत कदम उठाया तो अंजाम दर्दनाक होगा', भारत सरकार ने अब क्यों दी पाक को चेतावनी

(जीएनएस)।

भारत ने पाकिस्तान के नेताओं के हालिया जंग भड़काने वाले बयानों पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए साफ चेतावनी दी है कि किसी भी तरह की 'गलत हरकत' का नतीजा बेहद खतरनाक होगा। भारत ने पाकिस्तान के नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे अपनी जुबान पर लगाम लगाएं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार (14 अगस्त) को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पाकिस्तान के नेता लगातार गैर-जिम्मेदाराना, युद्ध भड़काने वाले और नफरत फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने इन बयानों को इस्लामाबाद का पुराना तरीका बताया है- भारत के खिलाफ नफरत फैलाना और अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाना।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी पाकिस्तान की

पुरानी आदत है, जिससे वह अपनी नाकामियों से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश करता है। उन्होंने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान ने कोई भी गलत कदम उठाया तो उसका अंजाम बेहद गंभीर होगा।

बीते 48 घंटों में सिंधु जल संधि के निलंबन को लेकर पाकिस्तान के तीन बड़े नेताओं-प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो और आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर-ने भारत को धमकी भरे बयान दिए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

रंधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से लगातार लापरवाह, युद्धोन्मादी और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां आ रही हैं। पाकिस्तान को अपनी जुबान संभालनी चाहिए, क्योंकि कोई भी गलत कदम हालिया उदाहरण की तरह दर्दनाक अंजाम देगा।"

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार (12 अगस्त) को कहा कि भारत पाकिस्तान का एक बूंद पानी भी नहीं ले सकता। 23 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले (26 लोगों की मौत) के अगले दिन भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को "निलंबित" कर दिया था।

जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ में कहर! चिशोती में बादल फटा, 2 जवान समेत 33 की मौत, 120 घायल-220 लापता

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर के किशतवाड़ जिले में मचैल माता यात्रा मार्ग पर 14 अगस्त 2025 को बड़ा हादसा हो गया। यहां बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। यह हादसा पड्डर सब-डिवीजन के चिशोती (चोसिटी) गांव में मचैल माता मंदिर के पास हुआ, जिसके कारण कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

बादल फटने से इलाके में अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए, और एक लंगर बह जाने की खबर है।

जिला प्रशासन, सेना, पुलिस, NDRF, और SDRF की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2 जवान समेत 38 की मौत, 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, घटना में अब तक 33 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 200 लापता हैं।

बादल फटने से भारी तबाही!

आज तड़के किशतवाड़ के चिशोती क्षेत्र में बादल फटने की घटना ने नदियों को उफान पर ला दिया। मचैल माता यात्रा का यह मार्ग तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है, और इस समय यात्रा चल रही थी, जिसके कारण कई तीर्थयात्री और स्थानीय लोग प्रभावित हुए हैं। शुरूआती रिपोर्ट्स में कई लोगों के लापता होने की बात सामने आई है। एक लंगर के बह जाने और हाईवे के क्षतिग्रस्त होने की खबर ने स्थिति की गंभीरता को और बढ़ा दिया है।

प्रशासन और बचाव दल हरकत में

किशतवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा ने बताया, 'चिशोती क्षेत्र में बादल फटने से अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जो मचैल माता यात्रा का शुरूआती बिंदु है। बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया है।' उन्होंने कहा कि प्रशासन नुकसान का आकलन कर रहा है और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान की जा

अवकाश की सूचना

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यालय में दो दिवसीय अवकाश होने के कारण 16 व 17 अगस्त का समाचार पत्र नहीं मिलेगा। अगला समाचार पत्र 18 अगस्त सोमवार के दिन प्राप्त हो सकेगा। - सम्पादक

सम्पादकीय

क्या भारत को आरईसी 'रूस-भारत-चीन' गठबंधन मजबूत करना होगा

अमेरिका ने जहां एक तरफ रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने के प्रयास के तहत धमकी दी है कि यदि शुक्रवार को अलास्का में होनी वाली बैठक सफल नहीं हुई तो भारत के खिलाफ अमेरिका 50 प्रतिशत के अतिरिक्त और टैरिफ यानि आयात कर ठोंकेगा।

मतलब यह कि अमेरिका यह साबित करने में जुटा है कि यदि भारत रूस से तेल न खरीदता तो रूस वंगाल हो जाता और वह यूक्रेन के साथ युद्ध करता ही नहीं, अमेरिकी विदेश वित्तमंत्री स्काट बेसेंट ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू को जिस लहजे में भारत को वार्ता के एक दिन पहले बृहस्पतिवार को दिया है, उससे बात बिल्वुल स्पष्ट हो गई है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन भारत के प्रति आर-पार की रणनीति अपना चुका है।

दूसरी तरफ टेरिफ को लेकर अमेरिका से संबंधों में गिरावट के बीच चीनी विदेश मंत्री वांग ची ने स्पष्ट किया है कि वह भारत के साथ अपने सारे अनसुलझे और विवादित मुद्दों को सुलझा रहा है तथा दोनों देश साथ मिलकर काम करें, इसके लिए भी चीन पूरी तरह तैयार है। विदेश मंत्री वांग ची की भारत यात्रा शीघ्र ही होने वाली है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। उम्मीद है कि चीन जाने पर मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी होगी।

देश के सामने एक बड़ा सवाल है कि क्या ट्रंप के नखरों और झूठे नैरेटिव के सामने झुककर वही करें मतलब टैरिफ वार्ता के दौरान किसानों, मछुआरों, डेयरी क्षेत्र में काम करने वालों और लघु उद्यामियों के अस्तित्व से समझौता करके अमेरिकी बहुराष्ट्रीय वंपनियों को इन क्षेत्रों में कारोबार करने की अनुमति दे दें। दूसरा क्या भारत रूस से हथियार और तेल खरीदना बंद कर दे। भारत यदि ये दोनों कार्य कर दे तो भी क्या पता ट्रंप भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएंगे या नहीं। किंतु इतना तो तय है कि संबंधों में जितनी कटुता आ चुकी है, वह चाहे कम हो जाए। किंतु यदि भारत अपनी रिक यानि 'रूस-भारत-चीन' गठबंधन को मजबूत करने की दिशा में और आगे बढ़े तथा ब्रिक्स की रणनीति के तहत अमेरिकी हितों के खिलाफ आर्थिक वूटनीति को आगे बढ़ाने में सव्रियता निभाए तो निश्चित रूप से न सिर्प अमेरिका का घमंड टूटेगा और उसकी अक्ल ठिकाने लगेगी बल्कि भारत के लिए नए अवसरों के अम्बार लग जाएंगे। अमेरिका इस बात से नाराज है कि भारत रूस से ज्यादा तेल खरीद रहा है। यह सच है कि 2021 तक भारत पूरे आयात का 3 प्रतिशत तेल ही रूस से खरीदता था किंतु 2024 से 35-40 प्रतिशत तेल खरीदने लगा है। रूस से भारत ने हथियार भी खरीदना जारी रखा क्योंकि अमेरिकी हथियारों की कीमत ज्यादा तो है ही उनकी आपूर्ति बहुत देर से होती है। वहीं अमेरिका अपने हथियारों की तकनीक भी भारत को नहीं देता जबकि रूस भारत को अपने हथियारों की तकनीक भारत से साझा करता है। रिक के मजबूत होने से एक तरफ जहां चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर खुराफात छोड़ेगा और भारत के साथ सहयोग करेगा, वहीं रूस के कई क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में खनिज पदार्थो की खुदाई की परियोजनाओं पर भारत काम कर सकेगा। रूस ने भारत के साथ मिलकर तेल, गैस एवं अन्य खनिज पदार्थो के निकालने की आर्थिक वूटनीति पर वुछ दिनों से काम कर रहा था जो अब साकार होने वाला है। बहरहाल अब समय आ गया है कि भारत अमेरिका के साथ मोह माया के खूंटों से खुद को छुड़ाकर रूस और चीन के साथ सहयोग से काम करे और ज्यादा से ज्यादा अपने देश के उद्योग, वृषि, लघु उद्यामों को समृद्ध करने पर ध्यान वेंद्रित करे। अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की अवधारणा को खुद अमेरिका ही नकार रहा है तो भारत को किस बात की चिंता! भारत एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है जहां उसको एक सनकी और नकारात्मक प्रवृत्ति के शासक से समझौते करने पड़ेंगे और दूसरी तरफ ब्रिक्स और रिक ऐसे देश हैं जिनके साथ सम्मान पूर्वक आर्थिक वूटनीति और व्यवसाय के विकल्प खुले हैं।

सरपंचों के नैतिक एवं नवीन विचारों से खिल उठे गुजरात के तीन आदर्श गाँव

एक महिला सरपंच सहित गुजरात के तीन सरपंचों को नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रण

कच्छ के भीमासर, भरूच के अखोड तथा नवसारी के सुलतानपुर गाँव के सरपंचों ने ग्रामीण विकास की नई परिभाषा गढ़ी

इन तीनों गाँवों को 'मॉडल विलेज ऑफ रूरल डेवलपमेंट' तथा 'ओडीएफ प्लस मॉडल विलेज' का दर्जा मिला

गांधीनगर, 14 अगस्त : गुजरात ऐसा राज्य है, जिसकी पहचान उसके विकास की गति तथा अन्यों को प्रेरणा देने वाले दूरदर्शी विजन से होती है। ऐसे सुंदर गुजरात राज्य के गाँव भी आज विकास के पथ पर उसी गति से आगे बढ़ रहे हैं। कच्छ जिले के भीमासर, भरूच जिले के अखोड तथा नवसारी जिले के सुलतानपुर जैसे आदर्श गाँवों के प्रगतिशील सरपंचों ने अपने सकारात्मक विचारों से गाँव में शहर जैसी सुविधाएँ विकसित कर ग्रामीण विकास की नई परिभाषा गढ़ी है। इन गाँवों की प्रगति केवल सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं है, बल्कि सरपंचों द्वारा गाँव को अपना घर मानकर किए गए प्रयासों का एक उत्तम उदाहरण भी है।

इन तीनों गाँवों के सरपंचों ने गाँव के विकास के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहकर अपने गाँव को 'मॉडल विलेज ऑफ रूरल डेवलपमेंट' का सम्मान दिलाया है। इन तीनों गाँवों के सरपंचों को 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। गुजरात के इन तीन सरपंचों में एक महिला सरपंच भी है, जिन्होंने नारीशक्ति के दृढ़संकल्प तथा महिला सशक्तिकरण का श्रेष्ठ उदाहरण प्रदान किया है।

भीमासर की महिला सरपंच : गाँव की माता बनीं

कच्छ के भीमासर गाँव की महिला सरपंच श्रीमती डाईबेन हुंबल ने अपने गाँव को केवल स्वच्छ ही नही, बल्कि समृद्ध बनाने का सपना भी संजोया था। उनके नेतृत्व में आज भीमासर

गाँव के हर घर में शौचालय, वेस्ट निकासी के लिए पूरे गाँव में सीवेज व्यवस्था, डोर-टु-डोर वेस्ट कलेक्शन आदि सुविधाएँ उपलब्ध हुई हैं। परिणामस्वरूप आज भीमासर गाँव स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत 'ओडीएफ प्लस मॉडल' विलेज बना है। उन्होंने गाँव में ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए 'ग्रीन भीमासर प्रोजेक्ट' लागू कर ग्रामीण जनों को प्रति परिवार 10 पेड़ लगाने का भी आ'ान किया था।

परंतु डाईबेन इतने से कहाँ रुकने वाली थीं ? उन्होंने गाँव की 200 एकड़ गौचर भूमि में 'व्रज भूमि फार्म' बनाकर तालाब के पानी के उपयोग से उस फार्म में गायों के चरने के लिए घास उगाई है। इससे गाँव के पशुओं को घास-चारा तो मिलता ही है, साथ ही गाँव के ही लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। इस भूमि पर भविष्य में अतिक्रमण न हो; इसके लिए उसके चारों ओर 10,000 पेड़ लगाकर आरसीसी के पिलर भी बनाए गए हैं। भीमासर गाँव में आज सार्वजनिक पुस्तकालय, पीएचसी, पोस्ट ऑफिस, बैंक, गौशाला तथा प्राथमिक से लेकर माध्यमिक विद्यालय तक की व्यवस्थाएँ उपलब्ध हैं। डाईबेन की दीर्घदृष्टि एवं कुशलता के फलस्वरूप भीमासर गाँव को अब तक कुल 13 राष्ट्रीय पुरस्कारों का गौरव प्राप्त हुआ है।

सुलतानपुर के सरपंच : गाँव के समाजसेवक बने

नवसारी जिले के सुलतानपुर गाँव के सरपंच श्री शशिकांतभाई पटेल ने अपने गाँव को न केवल सुविधा संपन्न, बल्कि सामाजिक रूप से सशक्त भी बनाया है। उन्होंने गाँव के किसी भी घर में बेटी के जन्म पर उस परिवार को 5,000 रुपए की सहायता देने की पहल कर 'बेटी बचाओ' अभियान को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा; गाँव में ग्रे वॉटर (मलिन जल) के प्रबंधन के लिए अपने घर में श्रेष्ठ किचन गार्डन बनाने वालों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है, जिससे गाँव के अधिक से अधिक लोग किचन गार्डन बनाने के लिए प्रोत्साहित हों।

सुलतानपुर गाँव की सबसे प्रेरणादायक बात तो यह है कि इस गाँव के सार्वजनिक शौचालय में दिव्यांगों के लिए ब्रेल लिपि में साइन बोर्ड लगाए गए हैं। ऐसी संवेदनशील पहल करने वाला गुजरात का यह पहला गाँव है। इतना ही नहीं, स्वच्छ भारत मिशन के सभी मानदंडों पर 100 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त कर सुलतानपुर 'ओडीएफ प्लस मॉडल विलेज' बना है। श्री शशिकांतभाई की मानवतावादी सोच तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता ने सुलतानपुर को एक आदर्श गाँव बनाया है।

अखोड के नेतृत्वकर्ता : पर्यावरण के रक्षक बने

श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वर मंदिर पर हमला: बदनामी का खेल या सत्ता की जंग?

(जीएनएस)।

कर्नाटक का श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वर मंदिर, जो सदियों से आस्था, सामाजिक सेवा और ग्रामीण सशक्तिकरण का प्रतीक रहा है, आज एक सनसनीखेज विवाद के केंद्र में है। एक पूर्व सफाई कर्मचारी के अप्रमाणित और अनछुए दावों ने मंदिर की छवि पर कालिख पोतने की कोशिश की है।

सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूब चैनलों ने इन आरोपों को हवा दी, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या यह सच की खोज है या मंदिर की विरासत को बदनाम करने का सुनियोजित अभियान? आखिर इस हमले से किसे फायदा हो रहा है-और क्यों?

धर्मस्थलाः आस्था और सेवा का गढ़

800 साल पुराना धर्मस्थला मंदिर, जो दक्षिण कन्नड़ जिले में नेत्रावती नदी के तट पर बसा है, केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह जैन हेगड़े परिवार द्वारा संचालित और हिंदू वैष्णव पुजारियों द्वारा पूजा-पाठ वाला एक अनूठा केंद्र है, जो सामाजिक सद्भाव और सेवा का प्रतीक है। श्री क्षेत्र धर्मस्थला ग्रामीण विकास परियोजना (रङउफ्रछ्ठ) के जरिए इसने लाखों लोगों को गरीबी, शराब की लत और शोषणकारी कर्ज से मुक्ति दिलाई है। मंदिर नेः-

60 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों को माइक्रोफाइनेंस के जरिए आत्मनिर्भर बनाया।

1.3 लाख लोगों को नशामुक्ति शिविरों और 'नवजीवी समितियों' के जरिए शराब की लत से छुटकारा दिलाया।

मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, सामूहिक विवाह और ग्रामीण शिक्षा के जरिए सामाजिक बाधाओं को तोड़ा।

₹110 करोड़ की पेंशन और ₹37.85 करोड़ की डेयरी सहायता के जरिए किसानों और वृद्धों को सशक्त किया।

ये प्रयास मंदिर को केवल पूजा स्थल से कहीं ज्यादा बनाते हैं-यह कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक और सामाजिक रीढ़ है। लेकिन यही सफलता कुछ शक्तियों के लिए खतरा

बन गई है।

आरोपों का तूफानः सच या साजिश?

हाल ही में, एक पूर्व सफाई कर्मचारी ने दावा किया कि उसने 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थला में सैकड़ों शव, खासकर महिलाओं और बच्चों के, दफनाए या जलाए। उसने आरोप लगाया कि इनमें से कई शवों पर यौन हिंसा और क्रूर हत्या के निशान थे। इस शिकायत के आधार पर कर्नाटक सरकार ने 19 जुलाई 2025 को विशेष जांच दल (रक्ळ) का गठन किया, जिसके नेतृत्व में उफ्रछ्ठ प्रणब मोहंती हैं। रक्ळ ने 31 जुलाई को नेत्रावती नदी के पास साइट नंबर 6 पर 4 फीट गहराई में आंशिक मानव कंकाल बरामद किया, जिसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

लेकिन इन आरोपों की सच्चाई अभी तक पुष्ट नहीं हुई है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय है, और उसने कोर्ट में भारतीय न्याय संहिता की धारा 183 के तहत बयान दर्ज कराया। उसने 13 संदिग्ध दफन स्थलों की जानकारी दी, लेकिन अब तक केवल एक साइट से अवशेष मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूब चैनल 'थर्ड आई' की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें बेंगलुरु की सिविल अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश में 390 मीडिया संस्थानों को धर्मस्थला मामले से जुड़े 9,000 लिंक हटाने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पहले हाईकोर्ट जाने की सलाह दी।

धर्मस्थला की बदनामी से किसे फायदा?

शिकारी साहूकारः रङउफ्रछ्ठ ने 12% सालाना ब्याज दर पर माइक्रोफाइनेंस ऋण देकर 60% से ज्यादा ब्याज वसूलने वाले साहूकारों की कमर तोड़ दी। हर आत्मनिर्भर परिवार इनके लिए नुकसान है।

शराब सिंडिकेटः मंदिर के जन जागृति वेदिके ने शराब विरोधी अभियान चलाकर कई गांवों में शराब की बिक्री को रोका, जिससे शराब माफिया के मुनाफे पर चोट पड़ी।

धर्मांतरण लॉबीः मंदिर के कल्याणकारी कार्यक्रमों-मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य और सामूहिक विवाह-ने आर्थिक कमजोरियों को कम किया, जिससे धर्मांतरण नेटवर्कों का प्रभाव घटा।

ये तीनों ताकतें-साहूकार, शराब माफिया और धर्मांतरण लॉबी-धर्मस्थला की प्रगति से आहत हैं। आलोचकों का मानना है कि मंदिर पर लगाए गए आरोप एक सुनियोजित बदनामी अभियान का हिस्सा हैं, जिसका मकसद मंदिर की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाना और इसके सामाजिक कार्यों को कमजोर करना है।

सच या साजिश?

धर्मस्थला मंदिर पर लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन अभी तक ज्यादातर अप्रमाणित हैं।

रक्ळ की जांच निर्णायक मोड़ पर

अन्याय और अत्याचार से मुक्ति का महापर्व है श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

गीता में श्रीकृष्ण ने यह संदेश दिया था कि अत्याचारी और अन्यायी कितना ही बड़ा और सगा क्यों न हो उसे समाप्त करने में ही समाज और राष्ट्र की भलाई है। हम 16 अगस्त को योगेश्वर श्रीकृष्ण का 5252 वां जन्मोत्सव मनाने जा रहे है। योगेश्वर श्रीकृष्ण ने महाभारत में द्रौपदी की इज्जत बचाई थी। आज न जाने कितनी द्रौपदियों की लाज खतरे में पड़ी है। देश की राजधानी से लेकर गांव और शहरों में आताताई किसी भी तरह अपने वुकर्मो से बाज नहीं आ रहे है।

चैन छीनने, मारपीट, छेड़छाड़, बलात्कार की वारदातों से अखबार भरे मिलते है। आज भी हमारी पावन पवित्र धरा अन्याय और अत्याचार से मुत्त नहीं हुई है। हम ऐसे वातावरण में जन्माष्टमी मनाने जा रहे है जब समाज विषात्त हो रहा है और जहरीला नाग हमें डसने को बेताब है। भाई भाई का दुश्मन हो रहा है तथा घृणा और नफरत के बीज बोकर हमें बाँटने का वुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में श्रीकृष्ण की सीख और आदर्श आज ज्यादा प्रासंगिक हो रहे है। उन्होंने अन्यायियों के सामने न तो खुद घुटने

टेके और न दूसरों को टेकने दिए। समाज में एकता, बराबरी, प्रेम महोब्बत और भाईचारे की भावना स्थापित करने में श्रीकृष्ण की अहम् भूमिका को आज भी सम्पूर्ण संसार स्वीकार करता है। उनकी शिक्षा का यह महत्वपूर्ण और सबसे बड़ा कारक है कि समाज को दुष्ट और राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों से मुत्त किया जाये। यदि हमारा एक अंग विवृत हो गया है तो उसे उखाड़ पेंकने में देरी नहीं की जाये। हमारा भाई यदि सदमार्ग से विचलित हो गया है तो पहले समझाइस करों न माने तो बुराई का अंत करो, मगर अन्याय को सहन नहीं करो। श्रीकृष्ण के इन आदर्शो को आत्मसात कर हमें समाज और देश से अन्याय, अत्याचार और दुराचार को समाप्त करने का संकल्प लेना ही होगा तभी बराबरी और सामाजिक सद्भावना का सन्देश जन जन में प्रवाहित होगा। योगेश्वर श्री वृष्ण का पूरा जीवन हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके जीवन की हर एक घटना एक महत्वपूर्ण सन्देश देती है, चाहे बचपन की रास लीला हो या गीता का ज्ञान या फिर महाभारत का युद्ध, भगवान श्री वृष्ण के जीवन का हर एक पल मानव जाति के लिए एक शिक्षा है। यह त्योहार श्री वृष्ण के मानव कल्याण के लिए किये गये कार्यो और आदर्शो को सर्मपित है। भगवान विष्णु के अवतार श्री वृष्ण का जन्मदिन देश विदेश में पारम्परिक हषरेल्लास और धूमधाम से मनाया जाता है। धरमिक ग्रंथों के मुताबिक योगेश्वर श्री वृष्ण ने भाद्रपद मास के वृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को अवतार लिया था। इस कारण इस दिन को वृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाने लगा। इस त्योहार को भारत में पूरी आस्था, श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाते हैं।

'असली ताकत वो लड़ाइयां देती हैं, जो कोई देख नहीं पाता', सानिया मिर्जा ने समझाया संघर्ष का मतलब, पोस्ट वायरल

(जीएनएस)।

पूर्व भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जो उनके फैंस के दिल को छू रहा है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा कि ताकत अक्सर उन लड़ाइयों से बनती है जो कभी दिखाई नहीं देतीं। यह पोस्ट फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे सानिया की ज़िंदगी के मौजूदा दौर से जोड़ रहे हैं।

तलाक के बाद बदली सानिया मिर्जा की लाइफ

सानिया मिर्जा पिछले कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रही हैं। पाकिस्तान के क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक के बाद सानिया ने खुद को पूरी तरह फिटनेस और वेलनेस की तरफ डाइवर्ट कर लिया है। वह सोशल मीडिया पर अपनी लाइफस्टाइल, मोटिवेशनल कोट्स और फिटनेस

वीडियो शेयर करती रहती हैं। बाकी समय वह अपने बेटे के साथ बिताना पसंद करती हैं।

फिटनेस और डाइट को लेकर रहती हैं जागरुक

सानिया आज भी अपने फिटनेस लेवल से लाखों लोगों के लिए इंस्पिरेशन हैं। उनकी डाइट में हाई-प्रोटीन फूड, फ्रेश जूस और हेल्दी स्नैक्स शामिल रहते हैं। वह रोजाना योग, कार्डियो और टेनिस प्रैक्टिस करती हैं, जिससे उनकी एनर्जी और ग्लो आज भी बरकरार है। कई इंटरव्यू में वह फिटनेस को लेकर दिल खोलकर बात कर चुकी है।

कितनी है सानिया मिर्जा की नेटवर्थ

सानिया मिर्जा भारत की सबसे सफल महिला एथलीट्स में गिनी जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 220 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वह हैदराबाद में एक लग्जरी हाउस में रहती हैं और उनके पास कई महंगी गाड़ियां भी हैं। इसके अलावा वह कई ब्रांड्स को एंडोर्स करती हैं और स्पोर्ट्स अकादमी भी चलाती हैं।

सानिया के करियर की बड़ी उपलब्धियां

सानिया का टेनिस करियर बेहद शानदार रहा है। वह ग्रैंड स्लैम डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में 6 खिताब जीत चुकी हैं। सानिया 2015 में वर्ल्ड नंबर-1 डबल्स प्लेयर भी बनी थीं। 2003 से 2013 तक वह भारतीय महिला टेनिस की सबसे बड़ी पहचान रहीं।

रजनीकांत की 'कूली' रिलीज होते ही ऑनलाइन हुई लीक, एचडी प्रिंट में ऐसे किया जा रहा डाउनलोड

(जीएनएस)।

साउथ इंडस्ट्री के मेगास्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कूली' आज यानी 14 अगस्त 2025 (गुरुवार) को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पहले ही दिन थिएटर्स के बाहर फैंस का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

ऑनलाइन लीक हुई रजनीकांत की 'कूली'

हालांकि इस खुशी के बीच फिल्म निमार्ताओं के लिए एक बुरी खबर भी आ गई है। रिलीज के कुछ ही घंटों के अंदर 'कूली' का एचडी प्रिंट इंटरनेट पर लीक हो गया है। आपको बता दें कि रजनीकांत की फिल्मों को लेकर फैंस में हमेशा एक अलग तरह का क्रेज देखा जाता है।

एचडी प्रिंट में 'कूली' को कर रहे डाउनलोड

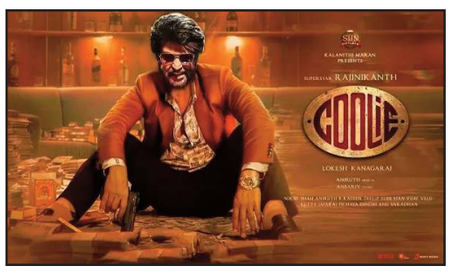

-ऐसे में फिल्म 'कूली' भी इस रेस में शामिल हो गई है। फिल्म को देखने के लिए ओपनिंग डे पर ही सिनेमाघरों में भारी भीड़ उमड़ी, लेकिन कुछ ही समय बाद फिल्म

पायरेसी के जाल में फंस गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत की फिल्म 'कूली' अब कई वेबसाइट्स पर एचडी प्रिंट क्वालिटी में उपलब्ध है और लोग इसे बड़े पैमाने पर डाउनलोड कर रहे हैं।

-इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबित फिल्म 'कूली' का लीक वर्जन पायरेसी साइट्स पर मिल रहा है। इसके अलावा, टेलीग्राम चैनलों पर भी इसके लिंक तेजी से शेयर किए जा रहे हैं। रिलीज के दिन ही फिल्म का इस तरह ऑनलाइन आना, इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर बड़ा असर डाल सकता है।

मद्रास हाईकोर्ट ने 'कूली' की रिलीज से पहले दिए थे ऐसे निर्देश

-आपको बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने 'कूली' की रिलीज से पहले सभी इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स और केबल नेटवर्क कंपनियों को आदेश दिया था कि फिल्म का कोई भी पायरेटेड वर्जन किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम न हो।

-इतना ही नहीं, कोर्ट ने आदेश में ये भी कहा था कि अगर पायरेसी हुई तो मेकर्स को भयंकर नुकसान हो सकता है। पायरेटेड वर्जन स्ट्रीम करने वाली सभी साइट्स को और उनके क्र्ढ२ को ब्लॉक करने के लिए भी कहा था, ताकि फिल्म के पायरेटेड वर्जन स्ट्रीम न हो सकें। इन सबके बावजूद 'कूली' ऑनलाइन लीक हो चुकी है।

ईशान किशन को क्यों किया जाएगा एशिया कप की टीम से बाहर? जान लीजिए बड़ा कारण

(जीएनएस)।

एशिया कप के लिए भारतीय टीम के घोषणा जल्दी ही होनी है, ऐसे में उन प्लेयर्स के ऊपर नजरें हैं, जिनको टीम में शामिल किया जाना है। ऋषभ पंत चोट के कारण बाहर हो गए हैं। इस बीच पंत की जगह विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन को पहली पसंद माना जा रहा है।

सैमसन टीम में शामिल होंगे, तब भी दूसरे विकेटकीपर के रूप में भी एक प्लेयर की आवश्यकता होगी। वहां दो नामों को रेस में देखा जा रहा है। दोनों में से एक खिलाड़ी हाल ही में इंग्लैंड दौरे से आया है। पंत की जगह ध्रुव जुरेल को इंग्लैंड में अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिला था।

एशिया कप की टीम में ध्रुव जुरेल और जितेश शर्मा का नाम रेस में है, तो एक सवाल निकलकर सामने आता है कि ईशान किशन कहां चले गए हैं। ईशान किशन को टीम से बाहर क्यों रखा जा रहा है। एशिया कप में भी किशन

टीम इंडिया का हिस्सा क्यों नहीं बनेंगे।

दरअसल ईशान किशन चोट से परेशान हैं। एक बार चोटिल होकर वह ठीक हो गए थे लेकिन फिर से चोटिल हो गए। इस वजह से उनको एशिया कप की टीम में दूसरे विकेटकीपर के रूप में भी शामिल नहीं किया जा सकेगा। किशन को इंतजार करना पड़ेगा।

ईशान किशन को आईपीएल में फील्डिंग के दौरान चोट लग गई थी। घुटने में लगी यह चोट जल्दी ही ठीक हो गई थी लेकिन किसे पता था कि यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं रहने वाली है। जुलाई में ईशान किशन एक बार फिर से चोटिल होकर बाहर बैठ गए।

स्कूटी से हुए एक हादसे के कारण उनके टखने में चोट लगी जिससे उनके बाएँ पैर पर दस टांके आए और उस पर प्लास्टर लगाया गया। इस वजह से वह पंत की जगह खेलने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट के लिए फिट नहीं थे। अब सीधा उनको एशिया कप में शामिल नहीं किया जा सकता। कहीं न कहीं घरेलू क्रिकेट में खेलकर उनको मैच फिटनेस हासिल करनी पड़ेगी, तभी बात बन पाएगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09726/09725 बांद्रा टर्मिनस - जयपुर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09726 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल सोमवार, 18 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:45 बजे जयपुर पहुँचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09725 जयपुर- बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 17 अगस्त, 2025 को जयपुर से 08:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, मंडल, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर और किशनगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09726 की बुकिंग 16 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के बोरीवली एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच रविवार, 17 अगस्त, 2025 को जम्बो ब्लॉक

मुंबई, ट्रैक, सिगनलिंग और ओवरहेड उपस्करों के रखरखाव हेतु रविवार, 17 अगस्त, 2025 को बोरीवली एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर 10.00 बजे से 15.00 बजे तक पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को गोरेगांव एवं बोरीवली स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर चलाया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय सेवाएँ निरस्त रहेंगी। इसके अलावा कुछ अंधेरी और बोरीवली ट्रेनों को हार्बर लाइन पर गोरेगांव तक चलाया जाएगा।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

पश्चिम रेलवे पर चलाये जा रहे 'स्वच्छता अभियान' के दौरान मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा स्वच्छता पहल को मिली गति

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल में "स्वच्छता अभियान" के अंतर्गत की जा रही विभिन्न गतिविधियों की झलकियां।

हमारे देश के चल रहे स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर मनाए जा रहे "स्वच्छता अभियान" के एक भाग के रूप में पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा अपने पूरे नेटवर्क पर सफाई, स्वास्थ्य और जन स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई प्रभावशाली पहल की जा रही हैं। मंडल स्वच्छ भारत के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और सफाई एवं स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों और कार्यालय परिसरों में श्रमदान और गहन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। चर्चगेट, अंधेरी, वलसाड आदि कई स्टेशनों पर गहन सफाई की गई, जबकि सांताक्रुज स्टेशन पर रेलवे पटरियों की गहन सफाई की गई।

श्री विनीत ने आगे बताया कि मंडल के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता रैलियाँ आदि का आयोजन कर्मचारियों और जन-स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से किया जा रहा है। स्काउट्स एंड गाइड टीम द्वारा बोरीवली रेलवे स्टेशन पर एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस आकर्षक प्रदर्शन ने यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा की। स्वच्छता कार्यकताओं के लिए स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुंबई सेंट्रल स्थित कोच केयर सेंटर के ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विसेज (OBHS) कर्मचारियों के लिए एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इसी प्रकार, बिलिमोरा में स्वच्छता कार्यकताओं की स्वास्थ्य जाँच की गई ताकि उनकी सेहत सुनिश्चित की जा सके। खानपान कर्मचारियों के लिए जागरूकता अभियान और खाद्य प्रतिष्ठानों, पेंट्री कारों और बेस किचन का निरीक्षण भी किया जा रहा है। अमलनेर और धोंडेचा स्टेशनों पर, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे अधिकारियों द्वारा मार्ग में आने वाली ट्रेनों से खाद्य पदार्थों के नमूनों का निरीक्षण किया गया।

ये प्रयास यात्रियों और कर्मचारियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के प्रति पश्चिम रेलवे के समर्पण को दशार्ते हैं। पश्चिम रेलवे सभी हितधारकों को राष्ट्रीय गौरव और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना से स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है।

अहमदाबाद मंडल के हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का गेज परिवर्तन कार्य पूर्ण

हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का सीआरएस निरीक्षण सम्पन्न

अंतिम संरक्षा स्वीकृति के बाद इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा

हिम्मतनगर और खेड़ब्रह्मा को जोड़ने वाली ऐतिहासिक मीटर गेज रेलवे लाइन, जो एक सदी से भी अधिक समय से साबरकांठा क्षेत्र की जीवनरेखा रही है, अब आधुनिक ब्रॉड गेज रूप में पुनः खुलने जा रही है। इस गेज परिवर्तन से तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल रेल सेवा मिल पाएगी।

हिम्मतनगरझखेड़ब्रह्मा मीटर गेज सेक्शन पर 01 जनवरी 2017 से रेल यातायात बंद किया गया था। इस के उपरांत हिम्मतनगरझखेड़ब्रह्मा गेज परिवर्तन परियोजना, जो गुजरात के साबरकांठा ज़िले में 55 किमी की दूरी को कवर करती है, इस परियोजना को 2 जून 2022 को ₹482 करोड़ की लागत से स्वीकृति मिली थी। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 18 जून 2022 को इस गेज परिवर्तन का शिलान्यास किया था जिसे लगभग 3 साल के रिकॉर्ड समय पूर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के हिम्मतनगर-खेड़ब्रह्मा रेलखंड का गेज परिवर्तन कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। जिसका रेल संरक्षा आयुक्त (CRS) पश्चिम रेलवे द्वारा 12 अगस्त से 14 अगस्त 2025 तक संरक्षा निरीक्षण किया गया। 12 अगस्त 2025 को हिम्मतनगर से जादर तक ट्रॉली निरीक्षण,13 अगस्त को जादर से वडाली तक ट्रॉली निरीक्षण तथा 14 अगस्त 2025 को वडाली से खेड़ब्रह्मा तक ट्रॉली निरीक्षण एवं 125 किमी/घंटे की गति से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल किया गया।

रेल सुरक्षा आयुक्त (पश्चिम रेलवे सर्कल) द्वारा वैधानिक निरीक्षण किया, जो कमीशनिंग से पहले एक आवश्यक कदम है। निरीक्षण टीम ने स्टेशन सुविधाओं, ट्रैक ज्योमेट्री, घुमाव, पुलों और रोड अंडर ब्रिज (RUBs) की विस्तृत जांच की। जिसमें एक महत्वपूर्ण पुल (15७18.3 मीटर का कंपोजिट गर्डर), 09 मेजर पुल, 40 माइनर पुल, 14 घुमाव, 37 लिमिटेड हाइट सबवे (LHS) और एक सबवे शामिल है।

निरीक्षण टीम में श्री ई. श्रीनिवास, रेल सुरक्षा आयुक्त (CRS) (पश्चिम रेलवे सर्कल), श्री वेद प्रकाश, मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद, श्री प्रदीप गुप्ता,मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य ट्रैक इंजीनियर, मुख्य परिचालन प्रबंधक (जी) तथा निर्माण और ओपन लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

माननीया सांसद साबरकांठा श्रीमती सोभनाबेन बारैया निरीक्षण टीम से मुलाकात की और क्षेत्र से संबंधित सुझाव दिए। श्री ई. श्रीनिवास, रेल सुरक्षा आयुक्त एवं श्री वेद प्रकाश,मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद के साथ खेड़ब्रह्मा में प्रसिडेंट नगरपालिका, प्रसिडेंट चेबर ऑफ कोमर्स, एपीएमसी के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, प्रसिडेंट बीजेपी शहर एवं ग्रामीण, मेंबर डीआरयूसीसी,डाइरेक्टर साबर डेरी के बैठक की गई। तथा इडर में प्रसिडेंट नगरपालिका इडर, मेंबर डीआरयूसीसी एवं बीजेपी कार्यकताओं ने श्री ई. श्रीनिवास, रेल सुरक्षा आयुक्त एवं श्री वेद प्रकाश,मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद का स्वागत किया।

इस गेज परिवर्तन परियोजना से यात्रियों और क्षेत्र को अनेक लाभ प्राप्त होंगे। अब यात्रियों को बेहतर और तेज रेल संपर्क उपलब्ध होगा, विशेष रूप से उत्तर गुजरात के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत संरचनाओं और आधुनिक सुरक्षा उपायों के साथ यात्रा अब अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होगी। इस ब्रॉड गेज परिवर्तन से साबरकांठा क्षेत्र देश के अन्य क्षेत्रो के साथ रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। इससे सब्जियाँ, दूध उत्पाद,लकड़ी के खिलौने एवं स्टोन चिप्स इत्यादि के निर्यात में वृद्धि होगी।

स्टेशनों पर विकसित की जा रही आधुनिक सुविधाएं यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाएंगी। इसके अलावा, इस परियोजना से क्षेत्रीय व्यापार, कृषि और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। निर्माण और संचालन के माध्यम से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजित होंगे और समग्र क्षेत्र का विकास होगा।

यह परियोजना भारतीय रेलवे की विकास और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। खंड के अंतिम निरीक्षण और संरक्षा स्वीकृति के बाद जल्द ही इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा।

वडोदरा मंडल में 'हर घर तिरंगा' एवं 'स्वच्छता अभियान 2025' के तहत तिरंगा एवं जागरूकता रैली का आयोजन

पश्चिम रेलवे के विरासत सम्पन्न वडोदरा मंडल द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान एवं 'स्वच्छता अभियान 2025' के अंतर्गत आज एक अभूतपूर्व एवं भव्य तिरंगा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से प्रारंभ होकर ऐतिहासिक महत्व के धनी प्रतापनगर स्थित हेरिटेज पार्क तक उत्साह, ऊर्जा एवं देशभक्ति के उमंग से निकाली गई।

मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके के नेतृत्व में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशाल समूह, हाथों में लहराते तिरंगे लिए, 'भारत माता की जय' एवं 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी उद्घोष के साथ आगे बढ़ता रहा। इस रैली का उद्देश्य राष्ट्रप्रेम की अमर ज्योति को जन-जन तक पहुँचाना तथा नागरिकों को अपने-अपने घरों एवं कार्यालयों में तिरंगा फहराने हेतु प्रेरित करना था।

रैली के दौरान स्वच्छता एवं सामाजिक दायित्व का संदेश भी प्रखर रूप से दिया गया। प्रतिभागियों ने मार्ग में फैले कचरे को एकत्रित कर सार्वजनिक स्थानों की गरिमा को पुनः स्थापित किया तथा उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई। साथ ही, सभी प्रतिभागियों ने शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कर स्वच्छता के प्रति अपनी आजीवन प्रतिबद्धता व्यक्त की।

हेरिटेज पार्क पहुँचने पर, डीआरएम श्री राजू भडके, वरिष्ठ अधिकारियों एवं रेल कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण समारोह सम्पन्न हुआ, जिसने न केवल हरियाली के संवर्धन का संदेश दिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया।

पश्चिम रेलवे, वडोदरा मंडल द्वारा आयोजित यह आयोजन राष्ट्रप्रेम, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के त्रिवेणी संगम का अनुपम उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायी धरोहर के रूप में याद किया जाएगा।

दिल्ली में भारी बारिश का कहर, कालकाजी में पेड़ गिरने से बाइक सवार युवक की मौत, बेटी घायल

(जीएनएस)। दिल्ली में गुरुवार 14 अगस्त को हुई तेज बारिश ने एक बार फिर राजधानी की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कालकाजी इलाके में बारिश के दौरान एक बड़ा नीम का पेड़ उखड़कर सड़क पर गिर गया। इस हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह दर्दनाक घटना हंसराज सेठी मार्ग पर हुई। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति यह कहते हुए सुना जा सकता है, "देखो, सामने नीम का पेड़ गिर गया है।

कार दब गई है। बाइक वाले की मौत हो गई है।" हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई, सड़क पानी में डूब गई और लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोग और पुलिस कर्मी मिलकर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश करते रहे।

राजनीतिक बयानबाजी तेज

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आप विधायक और दिल्ली की पूर्व मंत्री आतिशी ने भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा- "आज हंसराज सेठी मार्ग पर बारिश के दौरान पेड़ गिरने से एक युवा की मौत हो गई और एक लड़की जिंदगी के लिए लड़ रही है। इस बरसात में बीजेपी की नाकामी के कारण कई दिल्लीवासियों की जान जा चुकी है।

इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी को तुरंत पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा जी को बर्खास्त करना चाहिए।"

हालांकि, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के डीसीपी हेमंत तिवारी ने कहा कि हादसे में दो लोग घायल हुए थे, जिन्हें एसीपी कालकाजी की देखरेख में पुलिस ने बचाया और अक्क्टर ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि "अभी तक किसी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,"।

दिल्ली में भारी बारिश का अलर्ट जारी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने गुरुवार को दिल्ली के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है और दिनभर भारी बारिश की चेतावनी दी है। बीते 24 घंटों में सुबह 8:30 बजे तक सफदरजंग वेधशाला में 13.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, आया नगर में 57.4 मिमी, पालम में 49.4 मिमी, लोधी रोड पर 12 मिमी, प्रगति मैदान में 9 मिमी और पूसा में 5 मिमी वर्षा हुई।

बिहार चुनाव के लिए क्या है कांग्रेस की रणनीति? कैसे बांटेगी इस बार टिकट, तैयार है नया फॉमूर्ला

(जीएनएस)।

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव इस बार कांग्रेस के लिए अस्तित्व बचाने का चुनाव है। ऐसे में कांग्रेस अपनी चुनावी रणनीतियों और टिकट बांटने को लेकर इस बार बहुत सर्तक है। पटना के कांग्रेस दफ्तर में दिनों माहौल चुनावी रंग में रंगा हुआ है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के तहत गठित स्क्रीनिंग कमेटी के सामने दावेदार अपनी-अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

पहले चरण में 38 में से 19 जिलों से आए करीब 1500 दावेदारों ने टिकट के लिए दावेदारी ठोकी, जिनमें युवा जोश से लेकर अनुभवी सियासतदान तक शामिल हैं। दावेदारों की सबसे ज्यादा संख्या गयाजी विधानसभा क्षेत्र से देखी गई। वहीं कई सीटों पर 100 से अधिक दावेदार रहे।

इस पूरी प्रक्रिया की कमान स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन के हाथों में है। उनके साथ लोकसभा सांसद परिणीति शिंदे, राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और विधायक कुणाल चौधरी भी इंटरव्यू पैनल में बैठे हैं। बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, विधानमंडल दल के नेता शकील अहमद खान और प्रभारी सचिव सुशील पासी व देवेंद्र यादव भी बैठक में मौजूद रहे।

कांग्रेस के टिकट बांटने का नया गणित - स्थानीयता और रिकॉर्ड पर जोर

कांग्रेस इस बार महागठबंधन के साथ तालमेल बनाए रखते हुए एक मजबूत चुनावी रणनीति बना रही है। स्क्रीनिंग कमेटी का फोकस सिर्फ उम्मीदवार के राजनीतिक अनुभव पर नहीं, बल्कि उनकी स्थानीय पहचान, पिछला ट्रैक रिकॉर्ड और जमीनी पकड़ पर भी है।

न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक टिकट के लिए आए दावेदारों से ऐसे सवाल पूछे गए: आपके इलाके में

आपका सामाजिक और राजनीतिक आधार कैसा है? किस जाति वर्ग में आपकी सबसे ज्यादा पकड़ है? आप पटना में कितने कार्यकताओं को जुटा सकते हैं? पिछले पांच साल में आपने जनता के लिए क्या काम किए हैं? विपक्ष, खासकर एनडीए, से मुकाबले की आपकी रणनीति क्या होगी?

दावेदारों में से कई ने पहली बार टिकट की मांग की, तो कई पुराने नेताओं ने अपने अनुभव और पिछली जीत-हार के आंकड़ों से खुद को साबित करने की कोशिश की। इंटरव्यू के दौरान अजय माकन सभी दावेदारों से सवाल पूछ रहे हैं कि आपको ही क्यों टिकट दिया जाए? कई दावेदारों से महिला और युवा वोटरों को जोड़ने की योजना के बारे में भी पूछा गया।

अगला चरण और कांग्रेस का मिशन

आज गुरुवार को शेष 19 जिलों के दावेदारों से मुलाकात होगी। इसके बाद चयनित नामों की सूची कांग्रेस हाईकमान को भेजी जाएगी। पार्टी इस बार बिहार में 70 या उससे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य रख रही है। स्क्रीनिंग प्रक्रिया से साफ है कि कांग्रेस इस बार कोई ढिलाई नहीं बरतेगी और हर सीट पर दमदार चेहरा उतारने की तैयारी में है।

यह साफ है कि कांग्रेस इस बार टिकट बंटवारे को लेकर बेहद सतर्क है और हर उम्मीदवार से यह साबित करने की उम्मीद कर रही है कि वे न सिर्फ स्थानीय रूप से लोकप्रिय हैं, बल्कि महागठबंधन के समीकरण में जीत दिलाने की क्षमता भी रखते हैं।

शोएब अख्तर ने उड़ाई पाकिस्तानी टीम की धज्जियां, वेस्टइंडीज में हार को लेकर किया तीखा हमला

(जीएनएस)।

पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन लगातार गिर रहा है और बैक टू बैक दो सीरीज में हार के बाद टीम की फजीहत हुई है। बाबर आजम और रिजवान के होते हुए टीम को वेस्टइंडीज में एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद पूर्व क्रिकेटरों की बयानबाजी सामने आई है।

पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी अपनी टीम को खरीखोटी सुनाने का काम किया है। अख्तर के अनुसार टीम में बदलाव की आवश्यकता है और हर तरह की पिचों पर खेलने की आदत डालनी पड़ेगी। अख्तर ने अपनी प्रतिक्रिया से पाक टीम की जमकर क्लास लगा दी है।

एक शो में बातचीत करते हुए शोएब अख्तर ने कहा कि हमारे दौर में टीम में उत्साही और प्रभावशाली खिलाड़ी होते थे, और हमारा खेलने का तरीका भी वैसा ही जोशीला था। हम कभी किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहते थे। हर सदस्य टीम के लिए आगे बढ़कर योगदान देता था। कोई भी ज़िम्मेदारी से नहीं भागता था।

उन्होंने यह भी कहा कि आज का माहौल काफी बदल चुका है। बीते 10-15 वर्षों में ऐसा महसूस होता है कि खिलाड़ी अब सिर्फ अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड और औसत को बेहतर करने में लगे हैं। हर कोई अपने लिए खेल रहा है। जबकि असली मकसद यह होना चाहिए कि मैदान पर उतरकर अपने देश को जीत दिलाई जाए।

पिच को लेकर मारा जोरदार ताना

शोएब अख्तर ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमें अपनी सोच, मानसिकता और खेलने के तरीके में बदलाव लाने की जरूरत है। ऐसा माहौल बनाना होगा। आपको आधुनिक क्रिकेट के अनुसार खेलना चाहिए। ये समझना इतना मुश्किल भी तो नहीं है, है ना? हल्की सी सीम मिल जाए तो ये मुश्किल में पड़ जाते हैं। रावलपिंडी जैसी पिचें तो हर जगह लेकर नहीं घूम सकते।

विंडीज के सामने पाक की करारी हार

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में पाक टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम के अप्रोच पर सवाल उठे थे। अख्तर के अनुसार इंटेंट के लिए जाना पड़ेगा और अप्रोच में भी परिवर्तन करना होगा। ऐसा नहीं करने पर टीम हारती रहेगी।

भाषा विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन

बीईपी

आज दिनांक 14 अगस्त को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर विधि अध्ययन संकाय द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विधि परास्नातक छात्र अमन कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विधि संकाय के छात्रों आविष्कार, स्नेहा, तन्मय, हिमांशु, यशस्विनी, रमा, रोहिणी, आमिर, ऐश्वर्य, जुबैर ने अभिनय करते हुए 78 वर्ष पहले 14 अगस्त 1947 की मध्य

रात्रि देश के इतिहास में घटित घटना का भावुक कर देने वाला अभिनय वर्णन किया। नुक्कड़ नाटक की टीम ने विभाजन के दौरान अपनी माटी से अलग हुए किरदारों के अभिनय के माध्यम से राष्ट्रीय प्रेम के भाव से राष्ट्रीय एकता और समरसता का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक टीम के समन्वयक सहायक आचार्य अंशुल पांडेय, डॉ प्रशांत वरुण और जैनब इफ्तिखार खान रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, कुलानुशासक डॉ नीरज शुक्ला विभाग अध्यक्ष विधि संकाय डॉ पीयूष कुमार त्रिवेदी जी डॉ दीक्षा मिश्रा, डॉ कृष्ण मुरारी डॉ श्वेता त्रिवेदी श्री आशीष शाही , तान्या सागर , भानु प्रताप सिंह , रविकेश मौर्य तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण व अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत में निकाली गई तिरंगा यात्रा, कस्बा में गूंजी नारों की आवाज

(जीएनएस)।

धाता। नगर पंचायत में बुधवार को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा सरोज की अध्यक्षता में निकली यह यात्रा नगर पंचायत कार्यालय से शुरू होकर पूरे कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः नगर पंचायत कार्यालय पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान नगर में देशभक्ति के नारों की गूंज सुनाई देती रही और जगह-जगह लोगों ने तिरंगे झंडे लहराकर यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर पंचायत के अधिशासी

अधिकारी (ईओ) अजीत कुमार बागी सहित सभी सभासद, कर्मचारी और बड़ी संख्या में कस्बेवासी मौजूद रहे। यात्रा में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान खास तौर पर मुहम्मद कलीम, गुलाब सिंह, उपकेन्द्र के अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अध्यक्ष रेखा सरोज ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे देश की पहचान और शान का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से आ'ान किया कि वे राष्ट्रीय पर्वों पर ही नहीं, बल्कि हर समय देशभक्ति की भावना को अपने हृदय में जीवित रखें।तिरंगा यात्रा में युवाओं, महिलाओं और बच्चों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। यात्रा के दौरान नगर में स्वच्छता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

जन्माष्टमी स्पेशलः कलर्स के सितारों ने बताया, उनके लिए भगवान कृष्ण का क्या महत्व है

कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' में 'मंगल' की भूमिका निभा रहीं दीपिका सिंह ने कहा, "बचपन में मेरे लिए जन्माष्टमी का मतलब था अपने हाथों से जादू रचना। दिल्ली में, मेरे भाई-बहन और मैं मिलकर झांकी सजाने, मिट्टी से कृष्ण लीला गढ़ने, मम्मी के साथ खरीदारी करने और मेहमानों से तारीफ मिलने पर खिल उठते थे। मुंबई आने के बाद बहुत कुछ बदला, लेकिन जन्माष्टमी के प्रति मेरा प्रेम और बढ़ गया। हर साल मैं एक एनजीओ द्वारा आयोजित दही हांडी में जाती हूं, जहां वंचित बच्चों को प्रोत्साहित करती हूं और विजेताओं को ट्रॉफी देती हूं। घर में ठाकुर जी हैं, जिन्हें मेरी देवरानी प्रेम से सजाती हैं। पिछले दस वर्षों से मेरी सुबहें भगवान को समर्पित ओडिसी नृत्य से शुरू होती हैं, लेकिन इस साल 'मंगल लक्ष्मी' की शूटिंग के चलते मैं समय मिलने पर नृत्य रिकॉर्ड करने की कोशिश करूंगी। घर सजावट, प्रसाद और आधी रात को एक साथ व्रत तोड़ने से जीवंत हो उठता है। इस साल यह और खास है—कान्हा जी की कृपा से 'मंगल लक्ष्मी' दर्शकों के दिल जीत रही है। मेरे लिए जन्माष्टमी प्रेम, आस्था और कन्हा के हर रूप का

उत्सव है। हैप्पी जन्माष्टमी, सभी को!'

कलर्स के 'मनपसंद की शादी' में 'आरोही' की भूमिका निभा रहीं एषा सूर्यवंशी ने कहा, "जन्माष्टमी हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रही है। एक मराठी मुलगी होने के नाते, ठीक अपनी किरदार आरोही की तरह, मैं इस दिन की परंपराओं, संगीत और सामूहिक भावना से गहरा जुड़ाव महसूस करती हूं। एक संगीत प्रेमी के रूप में, मैंने हमेशा महसूस किया है कि जन्माष्टमी की अपनी एक अनूठी धुन है—ढोल की थाप, भजनों का संग, गलियों में बिखरी खुशी और मस्ती। दही हांडी देखना हमेशा रोमांचक लगा; यह जैसे आंखों के सामने कोई साहसिक कथा खुल रही हो। उम्र के साथ, मैंने समझा कि कान्हा का असली संदेश क्या है, और यह त्योहार नए मायनों में बस गया। अब भी बचपन की वही खुशी है, पर साथ में कान्हा के अमर उपदेश भी हैं। मुझे हमेशा अच्छा लगता है कि कैसे शहर उनके जन्मदिन पर एक जीवंत उत्सव में बदल जाता है। इस साल, यह और भी खास है—कान्हा जी ने मुझे 'मनपसंद की शादी' जैसे डेब्यू का आशीर्वाद दिया है और दर्शक इसे प्यार दे रहे हैं। इस जन्माष्टमी, कृष्ण जी की कृपा सब पर बनी रहे, और कलर्स का 'मनपसंद की शादी' मेरे लिए इस उत्सव में एक जादुई छुअन लेकर आया है।'

कलर्स के 'नयनतारा' में मुख्य भूमिका निभा रहीं श्रुति बिष्ट कहती हैं , "मेरे लिए जन्माष्टमी का मतलब है आस्था, प्रेम और कृष्ण जी की लीलाओं का जादू। मुझे याद है, मैं चमकदार लहंगा पहनकर सिर पर छोटी मटकी संतुलित करने की कोशिश करती थी और दोस्तों संग हंसते हुए कृष्ण जी की झूला सजाती थी। ये छोटी-छोटी परंपराएं आज भी मेरे दिल के करीब हैं, और मैं हर उत्सव में वही खुशी लाने की कोशिश करती हूं। इस साल कलर्स के 'नयनतारा' में जन्माष्टमी खास है क्योंकि यह कहानी का मोड़ बन जाती है। नयनतारा को कृष्ण जी से सुरजो के खतरे का संकेत मिलता है—एक रथ का पहिया उसे टकराने वाला होता है। कृष्ण जी उसके साथ हैं, उसे राह दिखाते हुए। मेरे लिए, यह जन्माष्टमी बताती है कि कृष्ण जी की मौजूदगी सिर्फ मंदिरों में नहीं, बल्कि हर उस पल में है, जहां प्रेम और साहस हमें आगे बढ़ाते हैं। जैसे वे नयनतारा का साथ देते हैं, वैसे ही वे हम सभी का ध्यान रखते हैं, जीवन की चुनौतियों को अपनी दिव्य लीला में बदलते हुए।'

जन्माष्टमी पर अपने विचार साझा करते हुए देबिना बनर्जी कहती हैं, "जन्माष्टमी से पहले, मैं, मेरे पति और बच्चे मथुरा और वृंदावन की एक अद्भुत यात्रा पर गए। वृंदावन में रहना, 'हरे कृष्ण हरे राम' के मंत्र सुनना, भव्य वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में झूलन सेवा करना—हर पल भगवान को समर्पित था। प्रेमानंद महाराज जी से मिलना और पावन बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करना जीवनभर का आशीर्वाद लगा। बचपन से ही अध्यात्म मेरे जीवन का हिस्सा रहा है, लेकिन इसे अपने बच्चों के साथ अनुभव करना इसे और अनमोल बना गया। इस आत्मिक यात्रा से मैं नई ऊर्जा लेकर लौटी हूं और यह ऊर्जा 'पति पत्नी और पंगा' के सेट तक लेकर आई हूं। इस जन्माष्टमी, सबके लिए मैं शुभकामनाएं देती हूं।'

कलर्स से जुड़े और अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए!

लोगों का जीवन बचाना ही मेरे जीवन का लक्ष्यः अंकिता अवस्थी

दूसरों का जीवन बचाना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक महान उद्देश्य है। इसमें न केवल साहस चाहिए, बल्कि संवेदनशीलता और इंसानियत की भावना भी होनी चाहिए। जब हम किसी की जान बचाते हैं, तो वह केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरा परिवार बचाते हैं । मानव जीवन अनमोल है। ईश्वर ने हमें यह जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों की सहायता करने के लिए भी दिया है। जब कोई व्यक्ति संकट में होता है, घायल होता है या जीवन-मृत्यु की स्थिति में होता है, तो उसकी सहायता करना, उसका जीवन बचाना सबसे बड़ा मानव धर्म बन जाता है। मेरा भी यही मानना है।

दूसरों का जीवन बचाने के कई तरीके हो सकते हैं - कोई डॉक्टर बनकर मरीजों की जान बचाता है, तो कोई रक्तदान करके किसी को नया जीवन देता है। कोई सड़क पर दुर्घटना देख कर घायल को अस्पताल पहुंचाता है, तो कोई मानसिक रूप से टूटे हुए व्यक्ति को सहारा देकर उसे आत्महत्या जैसे कदम से बचा लेता है। हर छोटा प्रयास भी किसी के लिए जीवनदायक हो सकता है।

मेरा सपना है कि मैं एक ऐसी इंसान बनूं, जो न केवल अपने लिए जिए, बल्कि समाज और देश के लिए जिए। मेरी प्राथमिकता है मैं हर परिस्थिति में दूसरों का जीवन बचाने में सहयोग करूँ ।

रक्तदान अंगदान दो ऐसे महान दान है जिससे कई लोगो का जीवन बचाया जा सकता है तो आइए साथ मिलकर किसी का जीवन बचाने में सहायक बनें ।

अंकिता अवस्थी
अध्यक्षः दानवीर फाउंडेशन

लखनऊ में चमका 'रेनेसां नेक्स्टजेन लीडर्स टॉक शो'

बॉलीवुड स्टार शमिता शेट्टी बनीं आकर्षण का केंद्र

लखनऊ स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राजधानी लखनऊ के कानपुर रोड स्थित होटल हॉलीडे इन में एक भव्य और यादगार आयोजन हुआ, जब सैम रेनेसां द्वारा प्रस्तुत रेनेसां नेक्स्टजेन लीडर्स टॉक शो' ने शहर के बिजनेस, प्रोफेशनल और स्टार्टअप जगत के सितारों को एक मंच पर ला दिया। इस खास अवसर पर बॉलीवुड की प्रसिद्ध अदाकारा शमिता शेट्टी सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में मौजूद रहीं और पूरे आयोजन को

खास बना दिया।

आयोजिका सौम्या साहू फाउंडर सैम रेनेसां ने कहा, 'हमारा उद्देश्य है कि उभरते और स्थापित दोनों तरह के उद्यमियों को एक ऐसा मंच मिले, जहां वे अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचा सकें और अपनी ब्रांड पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें।'

कार्यक्रम में देशभर से आए उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और स्टार्टअप फाउंडर्स ने अपनी प्रेरणादायी कहानियां, उपलब्धियां और बिजनेस जर्नी साझा की। मंच पर चयनित प्रतिभागियों को शमिता शेट्टी के हाथों सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शाम का माहौल और भी शानदार बना रेड कार्पेट एंट्री, सेलिब्रिटी इंटरैक्शन, पर्सनल फोटो व वीडियो सेशन, ब्रांडेड पॉडकास्ट रिकॉर्डिंग और गाला ब्रंच जैसे विशेष आकर्षणों से। कार्यक्रम के दौरान मीडिया कवरेज, डिजिटल प्रमोशन और नेटवर्किंग के अवसर ने प्रतिभागियों को अपने ब्रांड और प्रोफेशनल पहचान को मजबूत करने का मौका दिया।

पूरे आयोजन की भव्यता, ऊर्जा और सेलिब्रिटी ग्लैमर ने इसे लखनऊ के हाल के समय के सबसे चर्चित इवेंट्स में शामिल कर दिया।

नये थाना अध्यक्ष अपराध रोकने में पूरी तरह से हो रहे हैं फेल

क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधों से क्षेत्र में दहशत का माहौल

खखरेरू /फतेहपुर नये थाना अध्यक्ष की तैनाती के बाद से आम जनमानस को लगा कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधिक गतिविधियों पर अब लगाम लग जाएगा लेकिन पुराने चोरी हत्या लूटपाट का नए थाना अध्यक्ष के द्वारा खुलासा कर कानून का राज स्थापित करने में सफल होंगे लेकिन पुराने मामले वैसे ही पड़े हुए हैं नई चोरियां वन्यजीवों की हत्या आदि के मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं वहीं अगर बात की जाए जुलाई के महीने में अपराध का ग्राफ बहुत तेजी के साथ आगे बढ़ा जिसमें प्रमुख रूप से दामोदरपुर गांव की रहने वाली पांच बच्चों की मां दो बच्चों को घर में छोड़कर तीन बच्चों को साथ लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई पुलिस ने गुमशुदा की रिपोर्ट लिखकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया घर पर दोनों बच्चे मां के आने की राह देख रहे हैं 9 जुलाई को खागा से घर वापस आ रहे सोथरापुर निवासी राघवेंद्र सिंह के साथ फेसबुक मित्र के द्वारा कनपुरवा नहर पुलिया के पास अवैध असला के दम पर अपने साथियों के साथ मिलकर युवक के फोन से 73800 यूपीआई के जरिए अलग-अलग दो बैंक खातों में ट्रांसफर कर मोबाइल व बाइक छीनकर फरार हो गए मुख्य अभियुक्त अभी भी पुलिस की पकड़ से कोसों दूर है अन्य तीन लोगों की गिरफ्तारी कर यह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया

हकीमपुर खंतवा के पास संचालित शिव पेट्रोलियम में दबंगई के दम पर कर सवार युवक 147 लीटर डीजल कान में डलवा कर 13097 का भुगतान न करके सेल्समैन को गाली गलौज कर तेज रफ्तार से कर लेकर फरार हो गया जिसका सीसीटीवी फुटेज मैनेजर के द्वारा तहरीर के दौरान दिया गया सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद पुलिस दबंग को ढूंढने में ना कामयाब रही थाने से चंद कदम की दूरी पर रिटायर्ड लेखपाल सब्जी लेने के लिए बाजार आया हुआ था गाड़ी को खड़े करके जैसे ही रिटायर्ड लेखपाल सब्जी खरीदने गया उनकी मोटरसाइकिल को चोर के द्वारा चोरी कर ली गई रिटायर्ड लेखपाल की मोटरसाइकिल की डिग्गी में 39000 है व कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट रखे हुए थे चोरी का सीसीटीवी फुटेज में सामने आने के बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर सेटिंग गेटिंग का खेल कर महज 151 की कार्रवाई कर इतिश्री कर ली 27 जुलाई की रात रात कर्नल के घर चोरों के द्वारा लाइसेंसी बंदूक सहित 20 लाख जेवरात अज्ञात चोरों के द्वारा छत के रास्ते घर में कर्नल की मां को बंधक बनाकर लूटपट की गई थी चोरी की बड़ी वारदात होने के कारण क्षेत्राधिकार सहित डाग स्क्वायर फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर चोरी की घटना का खुलासा के लिए एसओजी सहित थाने की दो टीमें लगाई गई थी कुछ संदिग्ध को टीम के द्वारा उठाया गया था बाद में उनका चोरी का कनेक्शन ना निकलने से उनको छोड़ दिया गया मुख्य आरोपी पुलिस के पहुंचे कोशों दूर है थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद है की शेख पुर निवासी अवसान रक्षपालपुर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा एटीएम से पैसे निकालने गया जहां पर टप्पे बाज ने एटीएम कार्ड बदलकर युवक के खाते से 34999 का ट्रांजैक्शन कौशांबी स्थित पेट्रोल पंप से किया जिनकी तहरीर देने के बाद पुलिस खुलासा से कोशो दूर है वहीं कस्बे के वार्ड नंबर 13 सरोजिनी नगर में रहने वाले जैतून बानो के घर से अज्ञात चोरों ने बीस हजार नगद मोबाइल चश्मा चोरी कर लिया घटना के बाद महिला अपने बहू के साथ घर पर सो रही थी ऊपर का दरवाजा खुला होने के कारण चोर घर पर उतर कर चोरी कर लिया थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराध के ग्राफ से आम जनमानस अपनी सुरक्षा को लेकर परेशान हो रहा है वहीं बीते दिनों ससुर खदेरी नदी के जंगलों से प्रतिबंधित मांस पुलिस के द्वारा बरामद किया गया था तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मांस प्रतिबंधित मांस सेटिंग गेटिंग का खेल खेला गया इसके बाद वन रोज का मांस बाता गिरफ्तार तीन लोगों के ऊपर वन्य जीव संरक्षण के तहत कार्रवाई की गई जबकि सूत्रों ने बताया गिरफ्तार लोगों के द्वारा प्रतिबंधित प्रजाति के पशुओं के मांस की बिक्री की जाती थी

जिला कृषि रक्षा अधिकारी लखनऊ श्री महेश चंद्र द्वारा विकास खंड माल में उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण

आज जिला कृषि रक्षा अधिकारी लखनऊ श्री महेश चंद्र द्वारा विकास खंड माल में उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया । विकास खंड में अवस्थित मैसर्स उमा खाद भंडार, सैदापुर माल, बी पैक्स, देवरी भारत एवं बी पैक्स, पिपरी पुराखर के निरीक्षण में उर्वरक का भौतिक सत्यापन करते हुए वितरण की जांच की गई, जिसमे कोई अनियमितता प्रकाश में नहीं आई। उक्त प्रतिष्ठानों पर उपस्थित कृषकों से सीधे वार्ता की गई जिसमें उर्वरकों की ओवररेटिंग से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई ।

साथ ही कीटनाशक प्रतिष्ठानों का भी औचक निरीक्षण किया गया जिसमें मैसर्स गंगा बीज भंडार, काकोरी, जे पी कमलेश एंटरप्राइज़िज, गोपरामऊ, काकोरी , सिद्धि विनायक एंटरप्राइज़िज, सैदापुर माल पर कीटनाशक के रख रखाव एवं अभिलेखों में अनियमितता पाए जाने के क्रम में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सभी विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि उर्वरक एवं कीटनाशक से संबंधित स्टॉक/ वितरण पंजिका पूर्ण रखें, स्टॉक एवं रेट बोर्ड अपने प्रतिष्ठान पर अनिवार्य रूप से लगायें , प्रतिदिन स्टॉक का अंकन करें एवं समस्त कृषकों को विक्रय किए गए उत्पाद की कैश/ क्रेडिट मेमो अनिवार्य रूप से दें। यदि भ्रमण में किसी प्रकार की अनियमितता प्रकाश में आती है, तो संबंधित विक्रेता के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप -ए श्री नारेंद्र कुमार एवं सहायक विकास अधिकारी (कृषि) विकास खंड माल श्री सिकंदर यादव भी उपस्थित रहे ।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय, लखनऊ

एसएलबीसी-दिल्ली ने आयोजित की 120 वीं तिमाही बैठक; वित्तीय समावेशन के लिए संतृप्ति अभियान पर फोकस और बैंक के प्रदर्शन की समीक्षा

14 अगस्त 2025: एसएलबीसी-दिल्ली ने 14.08.2025 को 120वीं एसएलबीसी त्रैमासिक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता पंजाब नैशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री डी. सुरेंद्रन ने की और इसमें भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक श्री रोहित पी. दास, विशेष सचिव (वित्त), जीएनसीटीडी, आईएएस, श्री एस.एस. परिहार, पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रवीण गोयल, सिडबी के महाप्रबंधक श्री नटराजन रामचन्द्रन, भारतीय रिजर्व बैंक की उप महाप्रबंधक श्रीमती अदिति गुप्ता, एसएलबीसी-दिल्ली के महाप्रबंधक और संयोजक श्री राजेश कुमार, एसएलबीसी-दिल्ली के उप महाप्रबंधक श्री मुकेश सेठी, सदस्य बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, नाबार्ड, सिडबी, जीएनसीटीडी और एलडीएम ने भाग लिया।

एजेंडा के मुख्य बिंदुओं में 'तीन महीने का संतृप्ति अभियान', पीएम सूर्य घर योजना, पीएम विश्वकर्मा, पीएमएमवाई आदि जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत प्रदर्शन के साथ-साथ चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में विभिन्न मापदंडों के तहत वार्षिक ऋण योजना लक्ष्य के मुकाबले बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा करना भी शामिल था।

गणमान्य व्यक्तियों ने सदस्य बैंकों और एलडीएम से वित्त मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एफआई योजनाओं के तीन महीने के संतृप्ति अभियान में पूरे मन से भाग लेने का अनुरोध किया। अभियान के प्रमुख फोकस बिंदु पीएमजेडीवाई खाते खोलना, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत नामांकन, खातों में पुनः केवाईसी और नामांकन के साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी आदि के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

विधायक पूजा पाल के पति राजू की कैसे हुई थी मौत? जानकर कांप जाएगी रूह, उठ जाएगा बसपा-सपा से भरोसा!

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी विधायक पूजा पाल को 14 अगस्त 2025 को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित कर दिया, जब उन्होंने विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'शून्य सहिष्णुता' नीति की तारीफ की और गैंगस्टर अतीक अहमद के खात्मे के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह वही अतीक अहमद था, जिसे पूजा पाल ने अपने पति, तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल की 2005 में हुई निर्मम हत्या का जिम्मेदार ठहराया था।

पूजा के इस बयान ने सपा नेतृत्व को असहज कर दिया, और अखिलेश यादव की अगुवाई वाली पार्टी ने तुरंत उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। लेकिन इस सियासी ड्रामे के पीछे की कहानी रूह कंपा देने वाली है-एक ऐसी हत्या की दास्तान, जिसने प्रयागराज की गलियों को खून से रंग दिया और सपा-बसपा की माफिया के प्रति कथित नरमी को उजागर किया। आइए जानते हैं राजू पाल की हत्या की वह खौफनाक कहानी और इसके पीछे की सियासत...

25 जनवरी 2005 को प्रयागराज (तब इलाहाबाद) की सड़कों पर एक खौफनाक वारदात ने पूरे शहर को दहला दिया। बसपा के नवनिर्वाचित विधायक राजू पाल, जो कुछ ही दिन पहले 15 जनवरी को पूजा पाल से शादी के बंधन में बंधे थे, स्वरूप रानी नेहरू (रफ्त) अस्पताल से अपनी क्वालिस गाड़ी में निकले। उनके साथ दो गाड़ियां-एक क्वालिस और एक स्कॉर्पियो-थीं।

राजू खुद क्वालिस चला रहे थे, और उनके बगल में उनके दोस्त की पत्नी रुखसाना बैठी थीं, जो रास्ते में मिली थीं। काफिला जीटी रोड पर बढ़ रहा था, तभी एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक किया। इससे पहले कि राजू कुछ समझ पाते, एक गोली सामने के शीशे को चीरती हुई उनके सीने में जा धंसी।

गाड़ी धीमी हुई, और स्कॉर्पियो से पांच हमलावर उतरे। तीन ने राजू पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कीं, जबकि बाकी दो ने पीछे की गाड़ियों पर फायरिंग की। इस हमले में राजू पाल, उनके साथी संदीप यादव, और गनर देवीलाल की मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम में राजू के शरीर से 19 गोलियां निकाली गईं, जो इस हत्या की क्रूरता को दशार्ती हैं।